UP Board Notes Class 6 Sanskrit Chapter 16 अहिंसायाः जयः

शब्दार्थाः

पुरा = प्राचीनकाल में
भीषणः = भयंकर
दस्युः = डाकू
लोकानाम् = जनता कां
असौ = वह
लुण्ठनम् = लूटना
हन्ति स्म = मारता था
यान् = जिनको
अङ्गुलीः = अँगुलियों को
छित्त्वा = काटकर
विरच्य = बनाकर
अधारयत् = पहन लियो
भृशम् = अतिशय
निग्रहणे = पकड़ने में
प्रायतत = प्रयास किया
प्रेषयत् = भेजा
नालभत = नहीं प्राप्त किया
न्यवेदयतु = निवेदन किया
उपदेष्टुम् = उपदेश देने हेतु
हन्तुमथावत् = मारने के लिए दौड़ा
प्राकाशयत् = प्रकाशित किया
अवनतोऽभूत् = झुक गया
परपीडनम् = दूसरों को सताना
प्राक्षिपत् = फेंक दिया
हिंसायाम् =हिंसा पर।

पुरा.....जाता।

हिन्दी अनुवाद – प्राचीनकाल में कोसल देश में एक भयंकर डाकू रहता था। उसका नाम अंगुलिमाल था। लोगों को लूटना और मारना उसका दैनिक कार्य था। जिसको यह मारता था, उसकी अंगुली काटकर उससे माला बना गले में धारण करता था, इसलिए उसकी अंगुलिमाल नाम से ख्याति हुई।

अङ्गुलिमालस्य ..... अपाठयेत्

https://www.evidyarthi.in/

हिन्दी अनुवाद – अंगुलिमाल के दुष्कृत्यों से प्रजा अत्यन्त दुखी थी। राजा प्रसेनजित को भी इसके क्रूर कार्यों से अत्यधिक कष्ट प्राप्त हुआ। राजा ने उसे पकड़ने के लिए बहुत प्रयत्न किया, सैन्यबल भी भेजा, परन्तु सफलता नहीं मिली। भगवान बुद्ध के शिष्य प्रसेनजित ने उस विषय में बुद्ध से निवेदन किया। बुद्ध वहाँ आकर अंगुलिमाल के सामने धर्म का उपदेश देने गए, परन्तु वह उन्हें देखकर क्रूरता से मारने दौड़ा। बुद्ध ने अपने तपोबल से ज्ञान प्रकाशित किया, करुणा और दया भाव देखकर वह चकित हुआ तथा बुद्ध के सामने झुक गया। बुद्ध ने तब उसे धर्म, परोपकार, प्रेम और करुणा की शिक्षा पढ़ायी।

बुद्धस्य ..... विजयोऽभवत्।

हिन्दी अनुवाद – बुद्ध के उपदेश के प्रभाव से उसका अज्ञान नष्ट हो गया। उसने अंगुलियों की माला तोड़कर फेंक दी। वह हिंसा त्यागकर दयाभाव को प्राप्त हुआ। वह बुद्ध का शिष्य हो गया। इस प्रकारे, हिंसा पर अहिंसा की विजय हुई।

https://www.evidyarthi.in/